प्रसार शिक्षा निदेशालय
(बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना)

गौ एवं भैंस पालकों के लिए सलाह

भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार ने कोरोना वायरस महामारी से बचने के लिए 21 दिनों की तालाबंदी एवं सामाजिक दूरी बनाये रखने की घोषणा की है। पुनः इसके सफल परिणाम को देखते हुए यह कहा जा रहा है कि इसकी अवधि 30 अप्रैल तक बढ़ाई जा सकती है, जिसकी वजह से पशुपालकों को पशुओं के आहार, दुग्ध विपणन एवं बीमारियों से निदान में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।
उपरोक्त समस्याओं को ध्यान में रखते हुए इस तालाबंदी के समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने की आवश्यकता हैः–

(क) आहार संबंधी निदेश

पशुपालकों को अभी हरे चारे की कटाई, ढुलाई, पशु आहार की उपलब्धता इत्यादि में कठिनाई आ रही होगी। हालाँकि सरकार ने कई दिशा–निर्देश जारी कर इसकी आपूर्ति बाधित नहीं करने का निर्देश दिया है। फिर भी इस परिस्थिति में आप अपने स्तर से निम्नलिखित उपाय कर सकते हैंः–

1) इस अवधि में आप सूखे चारे का प्रयोग करें एवं दाने (concentrate) की मात्रा को दुग्ध उत्पादन के अनुपात में बढ़ा दें। जब आप दाने की मात्रा को बढ़ाते हैं तब पशुओं में अम्लता (acidity) की समस्या का ध्यान रखें। ज्यादा से ज्यादा पानी दें। मिनरल मिक्सर (30–40 ग्राम प्रति दिन) का प्रयोग अवश्य करें ताकि महत्वपूर्ण तत्वों की कमी न हो एवं उत्पादकता प्रभावित न हो।
2) स्वनिर्मित आहार बनायें। 100 किलो ग्राम आहार तैयार करने के लिए 40 किलो ग्राम मकई, 30 किलो ग्राम Rice Bran या Wheat Bran, 20 किलो ग्राम खल्ली, 7 किलो ग्राम दलहनी चोकर, 2 किलो ग्राम मिनरल मिक्सर एवं 1 किलो ग्राम नमक को अच्छी तरह मिलाकर तैयार कर लें एवं आवश्यकता अनुसार खिलायें।
3) अगर आपका पशु गाभिन है या दूध देने के प्रथम चरण में है या अत्याधिक दूध देने वाले हैं तो बाजार से By Pass प्रोटीन एवं By Pass बसा खरीदकर घर पर रख लें एवं आवश्यकतानुसार खिलाएं।
4) घर के रसोई से निकले हुए अपशिष्ट या सब्जी अपशिष्ट (kitchen/veg by products) का भी प्रयोग करें।
5) दिन में तीन बार में कम से कम 40–50 लीटर स्वच्छ एवं ताजा पानी पशुओं को पीने के लिए उपलब्ध कराएं।

(ख) दुग्ध विपणन संबंधी निर्देश

तालाबंदी के दौरान पशुपालकों के लिए सबसे कठिन काम दुग्ध विपणन की है। चूँकि सभी मिठाई दुकान,

चाय दुकान, यहाँ तक कि प्रतिदिन के ग्राहक भी दुग्ध नहीं ले पाते है, जिससे पशुपालकों के सामने यह समस्या सबसे विकराल है। फिर भी इस परिस्थिति में कुछ निम्नलिखित उपाय किये जा सकते हैंः–

1) चूँकि कोरोना वायरस की महामारी वैश्विक बीमारी है, इसमें देश की सारी अर्थव्यवस्था पर असर पड़ रहा है। अतः इस क्षेत्र पर भी असर पड़ना स्वाभाविक है। ऐसी परिस्थिति में आप अपना धैर्य बनाए रखें एवं दुग्ध उत्पादन करते रहें। कई किसानों ने पशुओं से दूध निकालना ही बन्द कर दिया है या एक समय दूध निकाल रहे हैं, जो कि गलत है। इससे आपके पशु को कष्ट होता है साथ ही वो अपना दुग्ध धीरे–धीरे घटाने लगते हैं, जिसका बाद में आपको भी नुकसान होगा। अतः पशुओं से दुग्ध निकालते रहें।

2) दूध का सेवन घर में प्रचुर मात्रा में करें एवं नियमित ग्राहक को न छोड़ें। सरकार ने दुग्ध वितरण को बन्द से दूर रखा है। अतः इस परिस्थिति में थोड़ा कष्ट कर दूध को Milk Collection एवं Chilling Centre तक पहुँचाएं।

3) अभी धीरे–धीरे गर्मी भी बढ़ रही है। अतः दुग्ध से संबंधित उत्पाद यथा दही, मट्ठा, लस्सी, इत्यादि भी बनाकर गाँवों में बेच सकते हैं, जो कि बहुत आसानी से घर पर तैयार भी किया जा सकता है एवं इसकी बिक्री भी स्वच्छता मानकों को ध्यान में रखकर किया जा सकता है।

4) डेयरी कोआपरेटिवस को भी आगे आकर किसानों के घर से दुग्ध संग्रहित (collect) करना चाहिए एवं Chilling Centre एवं Collection Centre के पास सामाजिक दूरी को बनाए रखते हुए इसकी व्यवस्था कर सकते हैं।

5) सरकार/कोआपरेटिव अपने स्तर से या बड़े किसान अपने स्तर से बड़े गाँवों में Bulk Milk Cooler स्थापित कर सकते हैं।

6) सरकार से E Pass की सुविधा का लाभ भी किसान ले सकते हैं, जिससे की वो अपना दूध सही स्थान पर पहुँचा सकें।

(ग) सामान्य निर्देश

1) जैसा कि हम जानते हैं कि सावधानी ही कोविड–19 (कोरोना) के संक्रमण से बचे रहने का सर्वश्रेष्ठ उपाय है। अतः समय–समय पर सरकार द्वारा जारी किए जा रहे निर्देशों का अक्षरशः पालन करें।

2) अगर किसी व्यक्ति को सर्दी, जुकाम, सरदर्द, बुखार के लक्षण हैं तो उसे डेयरी से जुड़े कार्यों यथा दूध दुहाई, फार्म सफाई आदि से दूर रखें एवं बीमार व्यक्ति की सूचना निकट के स्वास्थय कर्मी को दें।

3) किसी भी बाहरी व्यक्ति को इन कार्यों में सम्मिलित न करें।

4) फार्म या पशुशाला की साफ–सफाई का ध्यान रखें। सप्ताह में एक बार चारों ओर चूने का छिड़काव करें एवं फिनाइल का भी प्रयोग करें।

5) दूध के बर्तन भी साफ–सुथरे रखें। अपने हाथों को साबून से नियमित साफ/सेनेटाइज करें।

6) एक पशु चिकित्सक के साथ नियमित तौर पर संपर्क में रहें। ध्यान रखें कि यह महामारी कुछ दिनों में समाप्त हो जाएगी एवं इसी के साथ सारी परेशानी भी चली जाएगी।